कानपुर, शनिवार 18 जुलाई, 2026
वर्षः 03, अंकः 174, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड होर्मुज में जहाजों में आग..>Pg12

गोल्ड मेडलिस्ट इंजीनियर ने दी जान ...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

भारत की निजी अंतरिक्ष क्रांतिः श्रीहरिकोटा से उड़ान भरकर इतिहास रच गया विक्रम-1

अंतरिक्ष में 'विक्रम' का पराक्रम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हैदराबाद/श्रीहरिकोटा। भारत ने शनिवार को अंतरिक्ष क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपना पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित यह रॉकेट आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम लॉन्च पैड से मिशन आगमन के तहत प्रक्षेपित किया गया। उड़ान के लगभग 15 मिनट बाद रॉकेट ने अपने निर्धारित पेलोड को करीब 450 किलोमीटर की लो-अर्थ ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया।

यह उपलब्धि इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह भारत में किसी निजी कंपनी द्वारा विकसित पहला ऑर्बिटल रॉकेट है जिसने सफलतापूर्वक कक्षा में प्रवेश किया। इससे पहले वर्ष 2022 में स्काईरूट ने विक्रम-एस नामक सब-ऑर्बिटल रॉकेट का सफल परीक्षण किया था। अब विक्रम-1 की सफलता ने भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग को नई ऊंचाई प्रदान की है।

करीब 22 मीटर ऊंचे विक्रम-1 को अत्याधुनिक कार्बन कंपोजिट संरचना से तैयार किया गया है, जिससे इसका वजन कम होने के साथ मजबूती भी बढ़ी है। इसमें तीन चरणों वाली प्रणोदन प्रणाली है तथा नवीनतम 3डी-प्रिंटेड इंजन का उपयोग किया गया है। इन इंजनों से निर्माण लागत घटाने, उत्पादन की गति बढ़ाने और मिशन की विश्वसनीयता बेहतर करने में मदद मिली है। रॉकेट को छोटे उपग्रहों के व्यावसायिक प्रक्षेपण बाजार को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के पूर्व वैज्ञानिकों पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका ने की थी। भारत सरकार द्वारा 2020 में निजी क्षेत्र के लिए अंतरिक्ष गतिविधियों को खोलने के बाद कंपनी ने तेजी से प्रौद्योगिकी विकसित की और कुछ ही वर्षों में ऑर्बिटल लॉन्च क्षमता हासिल कर ली।

इस मिशन में भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के कई प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पेलोड भी भेजे गए। विशेषज्ञों का मानना है कि विक्रम-1 की सफलता के बाद भारत वैश्विक स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च बाजार में मजबूत दावेदार बनकर उभरेगा।

इससे निजी निवेश, रोजगार, अनुसंधान और अंतरिक्ष विनिर्माण को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर स्काईरूट की पूरी टीम को बधाई देते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत और भारतीय नवाचार की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश के युवाओं और निजी उद्योग की क्षमता का प्रमाण है।

विशेषज्ञों के अनुसार विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के नए युग की शुरुआत है। आने वाले वर्षों में स्काईरूट नियमित व्यावसायिक लॉन्च सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है। इससे वैश्विक स्तर पर छोटे उपग्रह प्रक्षेपण के क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। सरकार भी 2033 तक भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार कई गुना बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

लॉन्चिंग की टाइमलाइन

- सुबहः श्रीहरिकोटा में अंतिम तकनीकी जांच और काउंटडाउन पूरा
- निर्धारित प्रक्षेपणः सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम लॉन्च पैड से विक्रम-1 ने उड़ान भरी
- कुछ मिनट बादः तीनों चरण निर्धारित क्रम में सफलतापूर्वक कार्यरत रहे
- लगभग 15 मिनट बादः पेलोड को करीब 450 किमी लो-अर्थ ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया
- मिशन सफलताः स्काईरूट एयरोस्पेस ने भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट मिशन की सफलता की घोषणा की

आस्था और आधुनिकता का संगम बना पनकी धाम स्टेशन, पीएम मोदी ने किया लोकार्पण

25 करोड़ रुपये से हुआ कायाकल्प, पश्चिमी कानपुर को मिला आधुनिक रेल सुविधाओं का नया केंद्र

लिफ्ट, एस्केलेटर, विशाल प्रतीक्षालय और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ स्टेशन

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। पश्चिमी कानपुर को शुक्रवार को आधुनिक रेल अवसंरचना की बड़ी सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद से वर्चुअल माध्यम के जरिए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित पनकी धाम रेलवे स्टेशन का लोकार्पण कर उसे राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर फतेहपुर और विंध्याचल रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन किया गया। करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से विकसित पनकी धाम रेलवे स्टेशन अब आधुनिक यात्री सुविधाओं और आकर्षक वास्तुकला के साथ क्षेत्र की नई पहचान बनकर उभरा है।

उल्लेखनीय है कि स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही किया था और अब उनके हाथों इसका लोकार्पण भी संपन्न हुआ। लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर रेलवे प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं। स्टेशन परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पनकी धाम स्टेशन का पूरी तरह कायाकल्प किया गया है। यहां दो मंजिला आधुनिक स्टेशन भवन, विशाल प्रतीक्षालय, एक्जीक्यूटिव लाउंज, आधुनिक टिकटिंग एरिया, विस्तारित प्लेटफॉर्म शेल्टर, अत्याधुनिक शौचालय, बेहतर पेयजल व्यवस्था और उन्नत यात्री सूचना प्रणाली विकसित की गई है।

यात्रियों की सुविधा के लिए लगभग 40 फीट चौड़ा फुट ओवरब्रिज बनाया गया है। वहीं दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए 20 फीट चौड़ा रैंप तैयार किया गया है। स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे प्लेटफॉर्मों के बीच आवागमन अधिक सुगम हो गया है। स्टेशन परिसर के लगभग 4500 वर्गमीटर क्षेत्र को सर्कुलेटिंग एरिया के रूप में विकसित किया गया है।

यहां अलग प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुव्यवस्थित पार्किंग, हरित क्षेत्र और बाधारहित आवागमन की व्यवस्था की गई है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार स्टेशन का विकास कानपुर सेंट्रल पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करने और पश्चिमी कानपुर के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वर्ष 1981 में स्थापित पनकी धाम रेलवे स्टेशन का महत्व पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। वर्तमान में यहां श्रमशक्ति एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस और आगरा इंटरसिटी सहित कई प्रमुख ट्रेनों का ठहराव होता है। रेलवे भविष्य में और अधिक ट्रेनों के ठहराव की संभावनाओं पर भी विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पण के साथ ही पनकी धाम रेलवे स्टेशन अब केवल एक रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि पश्चिमी कानपुर की नई पहचान, आधुनिक रेल सुविधाओं का केंद्र और क्षेत्रीय विकास के नए प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। लोकार्पण समारोह में कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय, मंत्री प्रतिभा शुक्ला, जनप्रतिनिधियों और रेलवे अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पनकी धाम स्टेशन एक नजर में...

- लागत लगभग 25 करोड़
- योजना- अमृत भारत स्टेशन योजना
- स्थापना वर्ष -1981
- आधुनिक दो मंजिला स्टेशन भवन
- 40 फीट चौड़ा फुट ओवरब्रिज
- 20 फीट चौड़ा दिव्यांग अनुकूल रैंप
- लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा
- 4500 वर्गमीटर विकसित सर्कुलेटिंग एरिया
- आधुनिक प्रतीक्षालय एवं एक्जीक्यूटिव लाउंज

कानपुर में साइबर अपराधियों पर बड़ा प्रहार, 35 म्यूल अकाउंट धारक गिरफ्तार

» **पकड़े गए आरोपियों के खातों से 30 करोड़ रुपये का लेनदेन, एनसीआरपी पोर्टल पर 100 से अधिक शिकायतों के आधार पर पश्चिम जोन साइबर सेल की कार्रवाई**

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।पश्चिम जोन की साइबर सेल ने साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 म्यूल अकाउंट धारकों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों के बैंक खातों से लगभग 30 करोड़ रुपये का संदिग्ध वित्तीय लेनदेन किया गया। यह कार्रवाई पश्चिम जोन के 10 अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज शिकायतों और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर प्राप्त 100 से अधिक शिकायतों के आधार पर की गई।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि कई लोगों ने कमीशन और आर्थिक लाभ के लालच में अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध करा दिए थे। इन खातों का उपयोग ठगी से प्राप्त धनराशि को तत्काल एक खाते से दूसरे खाते में स्थानांतरित करने, नकदी निकालने तथा धन के वास्तविक स्रोत को छिपाने के लिए किया जा रहा था। ऐसे बैंक खातों को साइबर अपराध की भाषा में म्यूल अकाउंट कहा जाता है।

साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग रिकॉर्ड और डिजिटल जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी पुलिस के हाथ लगी हैं, जिनके आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित थानों में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि इन खातों के माध्यम से देश के किन-किन राज्यों में साइबर ठगी की रकम का लेनदेन हुआ।पुलिस उपायुक्त पश्चिम कासिम आबिदी ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर प्राप्त 100 से अधिक शिकायतों के विश्लेषण के बाद यह अभियान चलाया गया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक या ओटीपी किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं, अन्यथा वे भी साइबर अपराध के मामलों में कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

जनता नगर चौकी में महिला से अभद्रता का आरोप, पुलिस आयुक्त से शिकायत

» **मोबाइल बंद कराने, धमकी देने और पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप; पुलिस कमिश्नर ने जांच के दिए आदेश**

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जनता नगर चौकी में एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता मोहनी भाटिया ने चौकी प्रभारी पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने, अभद्रता करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

मामले की शिकायत शनिवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय में की गई, जिस पर जांच के आदेश दिए गए हैं।पीड़िता के अनुसार वह अपनी अधिवक्ता बहन के साथ अपनी शिकायत लेकर जनता नगर चौकी पहुंची थीं। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने उनकी बात सुनने के बजाय अभद्र व्यवहार किया और किसी प्रकार की कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। विरोध करने पर उनका मोबाइल फोन छीनकर बंद करा दिया गया तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी गई।

मोहनी भाटिया का कहना है कि पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय दूसरे पक्ष का समर्थन किया, जिससे उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

इसके बाद उन्होंने पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत पुलिस आयुक्त कार्यालय में सौंपकर निष्पक्ष जांच और संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

‘सॉरी पापा, मुझे माफ कर देना’

गोल्ड मेडलिस्ट इंजीनियर ने फंदे से लटककर दी जान

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र स्थित गुजैनी में शुक्रवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई। प्रदेश स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल कर चुके 23 वर्षीय बीटेक स्नातक आनंद कुमार ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से बरामद सुसाइड नोट में उसने कई बार सॉरी लिखते हुए पिता से माफी मांगी और लिखा कि उसने सरकारी नौकरी पाने के लिए लगभग 50 बार प्रयास किया, लेकिन हर बार असफल रहा।

पुलिस के अनुसार, आनंद मूल रूप से बिहार के बक्सर का रहने वाला था। उसके पिता राजकुमार एक निजी कंपनी से सेवानिवृत्त हैं। परिवार में बड़ा भाई अमित और बहन प्रिया दोनों सरकारी शिक्षक हैं। आनंद अपने पिता के साथ कानपुर के गुजैनी में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था।

पिता राजकुमार ने बताया कि वह पांच दिन पहले बड़े बेटे के विवाह के सिलसिले में बिहार गए थे। आनंद को भी साथ चलना था, लेकिन उसने अंतिम समय पर जाने से मना कर दिया। शुक्रवार को घर में काम करने पहुंची घरेलू सहायिका ने कई बार आवाज देने के बावजूद दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो आनंद का शव पंखे से लटका मिला।

आनंद ने वर्ष 2024 में कानपुर के पीएसआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण उसे प्रदेश में तीसरा स्थान मिला था और 13 अगस्त 2024 को आयोजित समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उसे गोल्ड मेडल से सम्मानित किया था। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। कुछ समय उसने निजी नौकरी भी की, लेकिन उसका लक्ष्य सरकारी सेवा में चयन पाना था।

गोविंदनगर थाना प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि कमरे से पांच पंक्तियों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें सात-आठ बार सॉरी लिखा गया है। प्रथम दृष्टया सरकारी नौकरी में लगातार असफलता के कारण अवसाद में आत्महत्या करने की आशंका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने किया था सम्मानित (फाइल फोटो)

प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता मानसिक दबाव

सरकारी नौकरियों में सीमित पद और लगातार प्रतिस्पर्धा युवाओं पर गहरा मानसिक दबाव डाल रही है। विशेषज्ञों के अनुसार असफलताओं को व्यक्तिगत विफलता मानने के बजाय समय रहते परिवार, मित्रों और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से संवाद करना बेहद आवश्यक है।

- गुजैनी में किराए के मकान में मिला 23 वर्षीय बीटेक छात्र का शव
- सरकारी नौकरी न मिलने से अवसाद की आशंका, पुलिस जांच जारी

सफलता केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं

शैक्षणिक उपलब्धियां और कौशल जीवन की महत्वपूर्ण पूंजी हैं। करियर विशेषज्ञ मानते हैं कि निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, उच्च शिक्षा और उद्यमिता जैसे अनेक विकल्प भी उज्ज्वल भविष्य का मार्ग बन सकते हैं। परिवार और समाज को भी युवाओं पर अनावश्यक अपेक्षाओं का दबाव कम करने की आवश्यकता है।

बेकाबू डंपर ने बाइक सवारों को रौंदा, युवक की मौत, साथी की हालत गंभीर

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

- घाटमपुर की सर्विस रोड पर हादसा, सजेती के निमधा गांव के दो युवक हुए दुर्घटना के शिकार

कानपुर। घाटमपुर कस्बे की सर्विस रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक सड़क पर जा गिरे और डंपर की चपेट में आ गए। दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया।

जानकारी के अनुसार, सजेती थाना क्षेत्र के निमधा गांव निवासी विवेक अपने एक साथी के साथ बाइक से घाटमपुर कस्बे की ओर जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक सर्विस रोड पर पहुंची, पीछे से तेज गति से आए डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने विवेक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल युवक का उपचार जारी है और उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद फरार डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि वाहन और चालक की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जा सके। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

बहन के दहेज उत्पीड़न प्रकरण में मुकदमा वापस लेने का बनाया जा रहा था दबाव, पुलिस ने शुरू की जांच

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी से परेशान युवती ने दी जान

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में कथित ब्लैकमेलिंग और धमकियों से आहत 19 वर्षीय युवती ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने युवती के जीजा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह बहन द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहा था और ऐसा न करने पर युवती की अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार, कल्याणपुर निवासी फर्नीचर कारोबारी की चार बेटियां और चार बेटे हैं। उनकी मझली बेटी का विवाह फर्रुखाबाद के कमालगंज निवासी युवक से हुआ था। करीब डेढ़ माह पूर्व दामाद पर पत्नी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था, जिसके बाद कल्याणपुर थाने में उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था।

आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद दामाद लगातार अपनी साली और परिवार के अन्य सदस्यों को फोन कर केस वापस लेने का दबाव बना रहा था। परिजनों का कहना है कि उसने 19 वर्षीय युवती को धमकी दी थी कि यदि उसकी बहन ने मुकदमा वापस नहीं लिया तो वह उसकी अश्लील तस्वीरें वायरल कर देगा। लगातार मिल रही इन धमकियों के कारण युवती मानसिक तनाव में रहने लगी थी।

शनिवार सुबह युवती ने घर के भीतर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य एकत्र करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जाम से निजात की तैयारी तेज, पुलिस उपायुक्त यातायात सड़क पर उतरे

» यातायात पुलिस की यातायात भीड़भाड़ न्यूनीकरण योजना के तहत बड़ा चौराहा समेत पांच प्रमुख चौराहों का निरीक्षण, ई-रिक्शा व ऑटो संचालन, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर सख्ती के निर्देश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर को जाम की समस्या से राहत दिलाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार ने यातायात भीड़भाड़ न्यूनीकरण योजना के अंतर्गत बड़ा चौराहा, परेड चौराहा, ग्रीन पार्क चौराहा, घंटाघर चौराहा तथा नरौना चौराहा का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रमुख मार्गों पर वाहनों के दबाव, यातायात संचालन, अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा एवं ऑटो के संचालन, सड़क किनारे अतिक्रमण तथा चौराहों की यातायात व्यवस्था का हाल देखा।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख चौराहों और तिराहों से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर ही ई-रिक्शा, ई-ऑटो और टेंपो सवारियां बैठाएं एवं उतारें। उन्होंने कहा कि चौराहों के समीप अनावश्यक रूप से वाहन खड़े करने या रोकने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि यातायात बाधित न हो।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यातायात अवरोध वाले स्थानों की पहचान कर उनके कारणों को शीघ्र दूर किया जाए। इसके लिए सड़क पर अवैध अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण तथा सार्वजनिक परिवहन के संचालन को व्यवस्थित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे नागरिकों के यात्रा समय में कमी आएगी और यातायात अधिक सुचारु होगा।

पुलिस उपायुक्त ने यातायात कर्मियों से कहा कि वे यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्बाध बनाए रखने के लिए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि यातायात भीड़भाड़ न्यूनीकरण योजना का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात उपलब्ध कराना है, जिससे जाम की समस्या में कमी आए और लोगों को कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा मिल सके।

चौराहों पर क्यों लगता है जाम?

कानपुर के अधिकांश प्रमुख चौराहों पर ई-रिक्शा, ऑटो और टेंपो का अव्यवस्थित संचालन, सड़क किनारे अवैध पार्किंग तथा अतिक्रमण यातायात बाधित करते हैं। चौराहों के पास सवारी चढ़ाने-उतारने से वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे पूरे मार्ग पर जाम की स्थिति बनती है।

योजना से क्या होगा लाभ?

यदि चौराहों से 100 मीटर दूर सार्वजनिक वाहनों के ठहराव, अवैध पार्किंग पर सख्ती और यातायात अवरोध वाले स्थानों का सुधार प्रभावी ढंग से लागू होता है, तो शहर में यात्रा समय घटेगा, दुर्घटनाओं का जोखिम कम होगा और यातायात अधिक सुरक्षित व व्यवस्थित बनेगा।

कानपुर देहात में फिर शुरू हुई हाईटेक नर्सरी, 25 दिन में मिलेगी सब्जियों की तैयार पौध

उद्यान विभाग की पहल से किसानों को रोगमुक्त पौध, मुफ्त बीज और आधुनिक सिंचाई योजनाओं का मिलेगा लाभ

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। जिले के किसानों के लिए उद्यान विभाग ने बड़ी राहत देते हुए राजकीय कृषि प्रक्षेत्र डींघ स्थित हाईटेक नर्सरी में सब्जियों की पौध तैयार करने का कार्य दोबारा शुरू कर दिया है। अब किसान फूलगोभी, पातगोभी समेत अन्य सब्जियों का बीज नर्सरी में जमा कराकर मात्र 25 दिनों में स्वस्थ एवं तैयार पौध प्राप्त कर सकेंगे।

उद्यान विभाग के अनुसार अप्रैल और मई में भीषण गर्मी तथा मांग कम होने के कारण पौध उत्पादन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। मौसम अनुकूल होने और किसानों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए इसे फिर शुरू किया गया है। हाईटेक नर्सरी में नियंत्रित वातावरण और आधुनिक तकनीक से तैयार पौध कीट एवं रोगमुक्त होती है, जिससे रोपाई की सफलता लगभग शत-प्रतिशत रहती है। इससे किसानों के बीज की बचत होती है, समय कम लगता है और मौसम के प्रतिकूल प्रभाव से होने वाले नुकसान की संभावना भी घट जाती है।

जिला उद्यान अधिकारी बल्देव प्रसाद ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन, मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना तथा अनुसूचित जाति कृषक औद्यानिक विकास योजना के तहत पात्र किसानों को निःशुल्क बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। हाईटेक नर्सरी में पौध तैयार कराने वाले किसानों को विभागीय योजनाओं में प्राथमिकता के साथ ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली का लाभ भी दिया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए हाईटेक नर्सरी में पौध तैयार कराएं और विभाग की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

अधिक जानकारी के लिए किसान हाईटेक नर्सरी प्रभारी रमेश चंद्र कटियार रमेश चंद्र कटियार (मोबाइल- 6392626116, 9450290756) अथवा जिला उद्यान अधिकारी (7753920906) से संपर्क कर सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, विकास भवन माती से भी संपर्क कर सकते हैं।

तहसील दिवस में डीएम ने सुनीं 165 शिकायतें, पांच का मौके पर निस्तारण

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। जनपद की सभी तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिला स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन तहसील भोगनीपुर में हुआ, जहां जिलाधिकारी कपिल सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय तथा अपर जिलाधिकारी (न्याय) दिग्विजय सिंह ने आमजन की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

भोगनीपुर तहसील में आयोजित समाधान दिवस में कुल 165 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए सौंपा गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर प्रकरणों की जांच करें तथा समाधान के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक भी अवश्य लें।डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। भूमि विवाद से जुड़े मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुखलाल वर्मा, उपजिलाधिकारी भोगनीपुर देवेन्द्र सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रोमिला, जिला परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिरुद्ध सिंह, खंड विकास अधिकारी मलासा संजय कन्नौजिया, खंड शिक्षा अधिकारी सपना सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय, अधिशासी अधिकारी राजपुर नीति त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में चुनौतियां भी

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है।इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा।

निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है।

मंदिरों में भ्रष्टाचार : सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

संजय निरंकारी शुक्ला

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे।भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं।

इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है।भारतीयनौसेना जानकारीमंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए।

यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

एकजुटता और सद्भाव के प्रतीक थे तेजा सिंह समुंदरी

साहसी लोकप्रिय नेता

नीरू बुर्रा

तेजा सिंह समुंदरी अकाली आंदोलन के साहसी और लोकप्रिय नेता थे। उनका स्वभाव 'मुसीबतों के बीच भी शांत और स्थिर' रहता था। प्रो. रुचि राम साहनी की डायरियों के मुताबिक, उन्होंने साल 1922-23 में गुरु-का-बाग़ मोर्चे का नेतृत्व करते हुए अहिंसा और एकजुटता को बढ़ावा दिया। उन्हें समाज के हर वर्ग से समर्थन मिला।बहुत कम लोगों को ही सरदार तेजा सिंह समुंदरी जैसे महान राष्ट्रीय नेता का योगदान याद होगा। उनका निधन, 100 साल पहले, 17 जुलाई, 1926 को, 44 साल की उम्र में लाहौर किले में हुआ था। वहां उन्हें ब्रिटिश सरकार ने नाभा की राजगद्दी से हटाए गए

महाराजा रिपुदमन सिंह को फिर से सत्तासीन करवाने को लेकर हुए आंदोलन में भाग लेने के कारण कैद कर रखा था। मुझे तेजा सिंह समुंदरी के बारे में पहली बार पता अपने परदादा, प्रोफ़ेसर रुचि राम साहनी की अप्रकाशित डायरियों से चला। बहुत कम उम्र में ही, प्रोफ़ेसर साहनी ने 'हिस्ट्री ऑफ़ माई ओन टाइम्स' (मेरे वक्त का इतिहासनामा) तैयार करने का फ़ैसला किया था। उन्हें उम्मीद थी कि 'वे उस रोमांचक दौर की झलक- वह धुंधली ही क्यों न हो, जिसमें उन्हें जीने का सौभाग्य मिला था, उसे संजोकर, अपने पाठकों के लिए शब्दों में पिरो सकेंगे'। इनमें से एक अंक अकाली आंदोलन पर था। रुचि राम साहनी का अकाली आंदोलन से परिचय 1922-23 में गुरु-का-बाग़ मोर्चे से हुआ। यह सिखों का एक अहिंसक आंदोलन था। जो इसलिए शुरू हुआ कि गुरु-का-बाग़ गुरुद्वारे के पूर्व महंत ने एक पुरानी परंपरा पर आपत्ति जताई थी, जिसके तहत गुरु-के-लंगर के लिए जलाऊ लकड़ी गुरुद्वारे की ज़मीन पर उगे कीकर के पेड़ों से ली जाती थी। अगस्त 1922 में, अंग्रेज़ों ने महंत का

The Tribune

LAHORE, SUNDAY, SEPTEMBER 3, 1922

"Guru-ka-Bagh" Affair — OFFICIAL VERSION

THE "GURU-KA-BAGH" A

"HEARTLESS" BEATING AKALIS

साथ दिया और बिना इजाज़त ज़मीन में घुसपैठ के आरोप में पांच सिखों को गिरफ़्तार कर लिया। इसके जवाब में, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने हर दिन पांच सिखों को जलाऊ लकड़ी काटने के लिए भेजने का ऐलान किया। उन्हें रोज़ाना अंग्रेज़ों की मारपीट और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता।शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने अन्य भारतीयों से गुरु-का-बाग़ मोर्चे का चश्मदीद गवाह बनने की अपील की, जिसके बाद प्रेस ने इसमें काफ़ी दिलचस्पी दिखाई। पंजाब प्रांत कांग्रेस कमेटी ने हालात का जायज़ा लेने के लिए रुचि राम साहनी और मियां फ़ज़्ल दीन को भेजा। साहनी ने जो देखा, उससे वे बहुत प्रभावित हुए व लिखा ‒ 'मैं स्वीकार करता हूं कि जब तक मैंने वह होते हुए अपनी आंखों से नहीं देख लिया, तब तक मुझे सिख शहीदों और उनके गुरुओं की उन गाथाओं पर पूरा यकीन नहीं था, जिनमें बताया जाता है कि उन्होंने न सिर्फ़ बिना डरे, बल्कि खुशी-खुशी और चेहरे पर मुस्कान के साथ अत्यंत क्रूरता का सामना किया क्योंकि उन्हें यकीन था कि अकाल पुरख उनसे ऐसी ही सेवा की उम्मीद करते हैं। मैं उस क्रूरता के बारे में अपनी आंखों देखी बताना चाहता हूं जो 'गुरु-का-बाग' में सैकड़ों लोगों ने रोज़ाना सही थीं। वे होंठों पर 'वाहे गुरु, वाहे गुरु जी' मंत्र जपते हुए ऐसे जुल्म से गुज़रे, जिसके बारे में मैंने अपने समय में किसी और समुदाय के लोगों के साथ होते हुए नहीं सुना।' साहनी 'द ट्रिब्यून' के ट्रस्टी भी थे और उन्होंने अखबार से उन्हें अपना विशेष प्रतिनिधि बनाने के लिए कहा ताकि वे 'गुरु-का-बाग' में हो रही घटनाओं की रिपोर्टिंग कर सकें। वे रोज़ जत्थों के साथ जाते और एसजीपीसी के साथ पर्दे के पीछे रहकर काम भी करते थे। उनकी दी खबरें 'द ट्रिब्यून' में छपीं और बाद में गंडा सिंह द्वारा संपादित किताब 'स्ट्रगल फ़ॉर रिफ़ॉर्म ऑफ़ सिख श्राइन्स' का आधार बनीं।इस किताब में साहनी ने जत्थों का जीवंत वर्णन किया है

'हर सुबह अकाल तख़्त के सामने 'गुरु-का-बाग' मोर्चे के लिए जत्थों की रवानगी से पहले का नज़ारा प्रेरक होता था। सूरज उगते ही, जत्थे के सदस्य 'अमृत सरोवर' में डुबकी लगाने के बाद वहां इकट्ठा होते।'

'अकाल तख़्त से प्रस्थान और पवित्र सरोवर की परिक्रमा से होकर, जुलूस के रूप में आगे बढ़ने से पहले, सिख धर्मग्रंथों से भजन गाते थे, कभी-कभी तो बहुत भावुक दृश्य देखने को मिलते।

कई बार, पत्नियां, बहनें, माताएं, यहां तक कि बूढ़ी दादी-नानियां भी यह प्रेरक समारोह देखने और अपने प्रियजनों को आशीर्वाद देने दूर-दूर से आतीं।

पुलिस को लाठी-डंडों से दौड़ाकर पीटा, वर्दी फाड़ी

भवानीपुर गांव में विवाद सुलझाने पहुंची थी पीआरवी, 2 मिनट 21 सेकेंड का वीडियो वायरल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में शुक्रवार शाम जमीन विवाद सुलझाने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। आरोप है कि दो सिपाहियों को चप्पलों, लाठी-डंडों से दौड़ाकर पीटा गया, उनकी वर्दी फाड़ दी गई और पीआरवी वाहन पर पथराव कर उसके शीशे तोड़ दिए गए। घटना का 2 मिनट 21 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

जानकारी के अनुसार गांव के वीरेंद्र और राहुल पक्ष के बीच जमीन को लेकर विवाद की सूचना पर बिठूर क्षेत्र की पीआरवी-9156 के सिपाही अरविंद और अनूप मौके पर पहुंचे थे। पुलिस दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराने का प्रयास कर रही थी।

इसी दौरान एक युवक ने पुलिस पर 50 हजार लेने का आरोप लगाते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग शुरू कर दिया। उसने पुलिस को चुनौती देते हुए कहा, फोर्स बुला लो... तुम्हारी औकात हो तो हमें थाने ले चलो।

युवक द्वारा पुलिस को भद्दी भद्दी गालियां देने पर एक सिपाही ने युवक के

- युवक ने पुलिस पर लगाए 50 हजार लेने के आरोप, कहा- फोर्स बुला लो, औकात हो तो थाने ले चलो
- सरकारी वाहन पर पथराव कर शीशे तोड़े, दो सिपाहियों के साथ की गई मारपीट

बाल पकड़कर गिरा दिया , जिसके बाद वह उग्र हो गया। आरोप है कि युवक के साथ उसकी मां, बहन और एक अन्य युवक भी पुलिस पर टूट पड़े। हमलावरों ने दोनों सिपाहियों को गिराकर चप्पलों, लाठी-डंडों से मारपीट की और काफी दूर तक दौड़ाया। किसी तरह दोनों सिपाही जान बचाकर वहां से निकले। इसके बाद हमलावरों ने पीआरवी वाहन पर पथराव कर उसके शीशे भी तोड़ दिए।

चौबेपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि विवाद की सूचना पर पहुंची पीआरवी टीम के दो सिपाहियों के साथ मारपीट कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई है। मामले में दोनों पक्षों के वीरेंद्र, कन्हैया और राहुल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें शांति भंग की धारा में गिरफ्तार किया गया है। घटना में शामिल अन्य आरोपितों की भी पहचान कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

थाना बिठूर क्षेत्र की पीआरवी-9156 को सूचना मिली थी कि चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर में दो पक्षों के बीच गाली-गलौज और विवाद हो रहा है। सूचना पर पीआरवी तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर विवाद शांत कराने का प्रयास किया। इसी दौरान एक पक्ष के कुछ लोग उग्र हो गए और पुलिस टीम के साथ अभद्रता करते हुए धक्का-मुक्की की। इस मामले में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अन्य नामजद एवं चिन्हित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

– अंकित कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, बिल्हौर

बरांडा गबन कांड: एफआईआर के आठ दिन बाद भी पांच आरोपी गिरफ्त से दूर

स्वराज इंडिया फालोअप

- 4.16 लाख रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला, ग्रामीणों ने उठाए कार्रवाई पर सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बारांडा ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के गबन के मामले में दर्ज एफआईआर के आठ दिन बाद भी पुलिस किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। मामले में तत्कालीन ग्राम प्रधान सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी न होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है और वे जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्राम पंचायत में नाला खुदाई, पौधरोपण, भूमि समतलीकरण समेत विभिन्न विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन का भुगतान किया गया था। शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर कराई गई जांच में कई कार्य मौके पर नहीं मिले, जबकि कुछ कार्य अभिलेखों में दर्ज विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए।

मुख्य विकास अधिकारी की जांच में 4 लाख 16 हजार 608 रुपये के भुगतान को अनियमित माना गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर खंड विकास अधिकारी नेमचंद्र की तहरीर पर 9 जुलाई को अरौल थाने में तत्कालीन ग्राम प्रधान राजेश पाल, तत्कालीन पंचायत सचिव समेत पांच लोगों के खिलाफ सरकारी धन के दुरुपयोग, फर्जी अभिलेख तैयार कर भुगतान कराने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीण पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भ्रष्टाचार के गंभीर मामले में भी यदि समय पर कार्रवाई नहीं होगी तो इससे गलत संदेश जाएगा। थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है। संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है और अधिकारियों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता में गूंजा भूजल संरक्षण का संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। भूजल सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को बिल्हौर विकास खंड में पोस्टर निर्माण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपने पोस्टर और निबंधों के माध्यम से जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल संवर्धन का संदेश दिया।

कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी रविकुमार सिंह के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने जल संकट, पानी के महत्व और भविष्य में भूजल संरक्षण की आवश्यकता को अपनी रचनाओं में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के संयोजक एआरपी श्रीकांत सिंह ने कहा कि जल की प्रत्येक बूंद भविष्य की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे जल संरक्षण का संदेश अपने परिवार और समाज तक भी पहुंचाएं। प्रतियोगिता में विकास खंड के करीब 30 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय नासिरपुर की साक्षी ने प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय देवकली की अवनी ने द्वितीय तथा कंपोजिट विद्यालय गोहलियापुर की तनुजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय कमसान की प्राची प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय अलीपुर की साक्षी गौतम द्वितीय तथा कंपोजिट विद्यालय धमनी नेवादा की ऋचा तृतीय स्थान पर रहीं।

खंड शिक्षा अधिकारी रविकुमार सिंह ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का आह्वान किया।

मेरठ में पत्नी ने प्रेमी संग रची खौफनाक साजिश

करैत सांप से डसवाकर किया पति का मर्डर

पत्नी और उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप, पुलिस का दावा-नींद की गोलियां देकर सुलाने के बाद रची गई थी पूरी साजिश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मेरठ।हस्तिनापुर क्षेत्र में स्कूल संचालक अतुल पंवार की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस जांच ने सनसनीखेज मोड़ ले लिया है। शुरुआती तौर पर सर्पदंश से हुई मौत माने जा रहे इस मामले में पुलिस का दावा है कि मृतक की पत्नी दामिनी ने अपने प्रेमी तुषार के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से हत्या की साजिश रची। दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, अतुल और दामिनी ने वर्ष 2019 में प्रेम विवाह किया था। पूछताछ में दामिनी ने पति द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप लगाया।

इसी दौरान उसकी नजदीकियां स्कूल की वैन चलाने वाले तुषार से बढ़ीं। जांच में सामने आया कि दोनों ने अतुल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और हत्या को प्राकृतिक सर्पदंश का रूप देने का प्रयास किया।

जांच एजेंसियों का दावा है कि वारदात से पहले अतुल को कथित रूप से दूध में नींद की गोलियां मिलाकर दी गई।

इसके बाद उसके कपड़ों में जहरीला करैत सांप छोड़ दिया गया, जिससे सर्पदंश होने पर मौत हो गई। आरोपियों को विश्वास था कि घटना को सामान्य हादसा मान लिया जाएगा और उन पर किसी प्रकार का संदेह नहीं होगा। पुलिस ने बताया कि दामिनी पिछले लगभग एक वर्ष से इंटरनेट पर चर्चित हत्या के मामलों, पुलिस जांच की कार्यप्रणाली और तथाकथित परफेक्ट क्राइम से जुड़ी जानकारियां तलाश रही थी।

डिजिटल रिकॉर्ड, मोबाइल डेटा और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। साथ ही, पुलिस ने बीमा राशि और प्रेम संबंध को भी संभावित मकसद के रूप में जांच के दायरे में रखा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फोरेंसिक रिपोर्ट, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य परिस्थितिजन्य प्रमाणों के आधार पर पूरे षड्यंत्र की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। विवेचना पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई मुठभेड़ में 2 इनामी बदमाश ढेर

» डॉक्टर से लूट के मामले में वांछित थे दोनों बदमाश, बच्चे को बंधक बनाकर पुलिस पर की फायरिंग; जवाबी कार्रवाई में मारे गए, 2 पुलिसकर्मी घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

इटावा। इटावा पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए डॉक्टर से लूट और चेन स्नैचिंग के मामले में वांछित 2 कुख्यात इनामी बदमाशों को मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोली से एसओजी के 2 जवान घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर होने पर आगरा रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार 3 जुलाई को इकदिल थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर से लूट की घटना हुई थी। इस मामले में 3 आरोपी शामिल थे। एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि 2 बदमाश फरार चल रहे थे। तकनीकी निगरानी के आधार पर उनकी लोकेशन फिरोजाबाद के शिकोहाबाद क्षेत्र में मिली, जिसके बाद इटावा एसओजी, सर्विलांस टीम और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त घेराबंदी की।घिरने पर बदमाशों ने एक बच्चे को बंधक बना लिया और पुलिस पर फायरिंग करते हुए भाग निकले। पीछा करने पर नगला कन्हई गांव के पास स्कूल के निकट बदमाशों ने फिर पुलिस पर गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश ढेर हो गए।मारे गए बदमाशों की पहचान सुमित यादव उर्फ विवेक और अंकित उर्फ सीपू निवासी इटावा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सुमित पर करीब 3 दर्जन और अंकित पर आधा दर्जन गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे।मुठभेड़ में एसओजी के जवान डेविड चौहान और पुष्पेंद्र चौधरी घायल हुए। डेविड की हालत गंभीर होने पर उन्हें आगरा रेफर किया गया, जबकि दूसरे जवान का उपचार जारी है।घटना की सूचना पर डीआईजी यमुना प्रसाद, एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभय नाथ त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्षेत्र में कांबिंग अभियान चलाकर तलाशी ली और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से हथियार और अन्य साक्ष्य कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव ने कहा कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मालखाने से हथियार चुराकर बेचता था हेड कांस्टेबल

कांधला थाने के मालखाने से लाइसेंसी पिस्टल, रिवॉल्वर और तमंचे गायब, मेरठ पुलिस की कार्रवाई में खुला राज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

शामली। शामली जिले के कांधला थाने में तैनात यूपी पुलिस के हेड कांस्टेबल अमित कुमार यादव पर मालखाने से हथियार चोरी कर उनकी तस्करी कराने का गंभीर आरोप सामने आया है। मेरठ के मवाना क्षेत्र में हथियारों के साथ एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी हेड कांस्टेबल थाने के मालखाने में जमा लाइसेंसी पिस्टल, रिवॉल्वर, तमंचे और कारतूस चोरी कर अपने तहेरे भाई केशू यादव और उसके साथी तुषार को बेचने के लिए देता था।

मवाना पुलिस ने गुरुवार शाम मखदूमपुर अड्डे के पास केशू यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक .32 बोर की पिस्टल, 38 बोर की मेड इन इंग्लैंड वेब्ली स्कॉट रिवॉल्वर, तीन तमंचे और कारतूस बरामद किए।

पूछताछ में केशू ने बताया कि ये सभी हथियार कांधला थाने में तैनात उसके तहेरे भाई अमित यादव ने मालखाने से चोरी कर उसे बेचने के लिए दिए थे। उसने यह भी स्वीकार किया कि पहले भी कई बार इसी तरह हथियार लेकर उनकी बिक्री की जा चुकी है और बिक्री की रकम का हिस्सा अमित को दिया जाता था।खुलासे के बाद मेरठ एसएसपी अविनाश पांडेय ने मामले की जानकारी एडीजी मेरठ को दी, जिसके बाद शामली पुलिस ने जांच शुरू की। कांधला थाना प्रभारी की तहरीर पर हेड कांस्टेबल अमित यादव के खिलाफ आपराधिक विश्वासघात समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।जांच में यह भी सामने आया कि बरामद .32 बोर की पिस्टल शामली निवासी एक व्यक्ति की थी, जिसका लाइसेंस वर्ष 2020 में निरस्त होने के बाद हथियार विधिवत मालखाने में जमा कराया गया था।

रिकॉर्ड में हथियार अब भी मालखाने में दर्ज है, जबकि वह मेरठ पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद किया।पुलिस अब बरामद वेब्ली स्कॉट रिवॉल्वर और अन्य हथियारों का भी मिलान मालखाने के रिकॉर्ड से कर रही है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि आरोपी लंबे समय से ऐसे हथियारों को निशाना बना रहा था, जिन्हें वर्षों से कोई लेने नहीं आया था या जिनके निस्तारण की प्रक्रिया लंबित थी।मामला सामने आने के बाद एसपी शामली ने आरोपी हेड कांस्टेबल अमित यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं अमित यादव और उसके साथी तुषार को वांछित घोषित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए शामली और मेरठ पुलिस की संयुक्त टीम तथा स्वाट टीम लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है और मामले में सामने आने वाले सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वीर सैनिक अजय यादव को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई, नम आंखें लिए उमड़ा जनसैलाब

» गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी गई अंतिम सलामी, हजारों लोगों ने भारत माता की जय के नारों के बीच किया अंतिम विदा

» स्वराज इंडिया संवाददाता

रसूलाबाद(कानपुर देहात)। सड़क दुर्घटना में असमय काल के गाल में समा गए भारतीय सेना के जवान अजय यादव को शनिवार को उनके पैतृक गांव जूड़ा निवादा में पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। जैसे ही सेना का वाहन उनके पार्थिव शरीर को लेकर गांव पहुंचा, पूरा माहौल गमगीन हो गया। परिजनों की चीख-पुकार और ग्रामीणों की नम आंखों ने हर किसी को भावुक कर दिया। हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, सेना के जवान और सामाजिक संगठनों के लोग अपने वीर सपूत को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के बरिगौ ग्राम पंचायत के मजरा जूड़ा निवादा निवासी अजय यादव, शिवराम यादव के पुत्र थे और भारतीय सेना में तैनात होकर देश की सेवा कर रहे थे। वह इन दिनों छुट्टी पर अपने घर आए हुए थे। परिवार के साथ बाबा महाकालेश्वर के दर्शन के लिए उज्जैन गए थे।

दर्शन कर कार से वापस लौटते समय कानपुर नगर के सचेंडी थाना क्षेत्र में उनकी कार सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसा इतना भीषण था कि अजय यादव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

शनिवार सुबह सेना की टुकड़ी तिरंगे में लिपटा अजय यादव का पार्थिव शरीर लेकर गांव पहुंची।

अपने वीर जवान के अंतिम दर्शन के लिए गांव की गलियां लोगों से भर गईं। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की आंखें नम थीं। सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया और अंतिम सलामी देकर अपने साथी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरा गांव भारत माता की जय, वंदे मातरम और अजय यादव अमर रहें के नारों से गूंज उठा।

इसके बाद तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर की अंतिम यात्रा निकाली गई। सेना के वाहन के पीछे सैकड़ों चारपहिया और दोपहिया वाहन श्रद्धांजलि स्वरूप चलते रहे। रास्ते भर लोगों ने पुष्पवर्षा कर अपने वीर सपूत को अंतिम प्रणाम किया। गांव से लेकर नानामऊ घाट तक हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ा रहा।

अंतिम यात्रा में शामिल लोगों की भीड़ यह बता रही थी कि अजय यादव केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव थे।

नानामऊ घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सेना के जवानों ने शोक धुन के बीच अंतिम सलामी दी और राष्ट्रध्वज को सम्मानपूर्वक उतारकर परिजनों को सौंपा। पूरे वातावरण में शोक और गर्व का अद्भुत संगम दिखाई दिया। हर व्यक्ति की जुबान पर बस एक ही बात थी ÷देश ने अपना एक वीर सपूत खो दिया।÷

अंतिम संस्कार के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सभी ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और कहा कि अजय यादव का देश के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा सदैव युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी।

गांव जूड़ा निवादा में दिनभर मातम पसरा रहा। हर घर की आंखें नम थीं और हर दिल अपने वीर बेटे के असमय निधन से व्यथित था। अजय यादव की अंतिम विदाई ने पूरे क्षेत्र को भावुक कर दिया। हजारों लोगों की मौजूदगी इस बात का प्रमाण थी कि देश की रक्षा करने वाले वीर जवान अपने पीछे केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को शोकाकुल छोड़ जाते हैं।

अजय यादव भले ही इस दुनिया से विदा हो गए हों, लेकिन उनकी देशभक्ति, कर्तव्यपरायणता और बलिदान की स्मृतियां हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगी।

बाइक और ऑटो की भिड़ंत में शिक्षक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

» कानपुर के हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया

» स्वराज इंडिया संवाददाता

रसूलाबाद, कानपुर देहात। विषधन मार्ग पर रायपुर मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में एक सरकारी शिक्षक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में ऑटो सवार एक महिला भी घायल हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

समस्तपुर न्योराज के मजरा रिवरी गांव निवासी अवधेश (59) कन्नौज जनपद के सिमरिया स्थित एक सरकारी विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान में वह रसूलाबाद कस्बे के केशव नगर में अस्थायी रूप से रह रहे थे। बताया गया कि वह घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक विषधन मार्ग पर रायपुर मोड़ के पास साधना पैलेस के निकट पहुंची, सामने से आ रहे ऑटो से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में ऑटो सवार रामसखी (39) भी घायल हो गईं।

स्थानीय लोगों की सूचना पर दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रसूलाबाद पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अवधेश की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शिक्षक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी श्रीकांति का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके बड़े बेटे मोहन भारतीय नौसेना में कार्यरत हैं, जबकि दूसरे बेटे दीपक और बेटी स्वाति सहित अन्य परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल है। गांव और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।

पुरानी पेंशन और टीईटी कानून के विरोध में शिक्षकों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में शिक्षकों ने कहा- शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर जनपद कानपुर देहात में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बृजेश यादव के नेतृत्व में शिक्षकों ने सांसद नारायण दास अहिरवार को ज्ञापन सौंपकर शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान की मांग उठाई।

पुखरायां में आयोजित ज्ञापन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने कहा कि नियुक्ति के समय जिन सेवा शर्तों के आधार पर उन्हें भर्ती किया गया था, सरकार को उन्हीं शर्तों का पालन करना चाहिए।

बाद में अध्यादेश लाकर सेवा नियमों में किए गए संशोधन से शिक्षकों में व्यापक असंतोष है। उन्होंने

मांग की कि सरकार अध्यादेश के माध्यम से बनाए गए इस कथित काले कानून को वापस ले और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करे।

ज्ञापन में शिक्षकों ने यह भी कहा कि प्रदेश भर के शिक्षक वर्तमान व्यवस्था से परेशान हैं। लगातार शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है, जिससे विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है और शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर केवल शैक्षणिक कार्यों पर ध्यान देने का अवसर देने की मांग की। सांसद नारायण दास अहिरवार ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका ज्ञापन प्राप्त किया और संबंधित मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बृजेश यादव के साथ ब्लॉक अध्यक्ष मैथा आनंद मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष अरुण कटियार, आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल, राजपुर ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र कटियार, संदलपुर ब्लॉक अध्यक्ष दीपक कटियार, जिला उपाध्यक्ष जैनेंद्र यादव, अमरौधा ब्लॉक संयोजक दिनेश बाबू यादव, अकबरपुर ब्लॉक अध्यक्ष हिमांशु त्रिपाठी, सरवनखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र यादव, ब्लॉक मंत्री अभिषेक द्विवेदी, झींझक ब्लॉक मंत्री विजय माथुर, आदर्श गौतम, प्रेम बाबू, दिनेश कुमार, नवजोत यादव, सुनील कटियार, इंद्रजीत यादव, मलासा ब्लॉक अध्यक्ष, देव प्रकाश, अनिल प्रजापति, संजय शुक्ला सहित जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

70 वर्ष की उम्र में गौमाता के सम्मान के लिए जनजागरण

उमाशंकर त्रिपाठी की मुहिम को मिला पुलिस, अधिवक्ताओं और आमजन का भरपूर समर्थन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जहां एक ओर बढ़ती उम्र में अधिकांश लोग आरामदायक जीवन चुनते हैं, वहीं कानपुर नगर के बर्रा-2 निवासी 70 वर्षीय उमाशंकर त्रिपाठी गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए अकेले जन-जन तक पहुंचकर एक अनूठी जनजागरण मुहिम चला रहे हैं।

हाथ में गौ सम्मान आह्वान अभियान÷ के पत्रक और हस्ताक्षर अभियान की सूची लेकर वे कानपुर देहात कलेक्ट्रेट एवं न्यायालय परिसर में लोगों से संपर्क कर रहे हैं और अभियान से जुड़ने की अपील कर रहे हैं।

उमाशंकर त्रिपाठी की इस मुहिम को अधिवक्ताओं, पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों का भी अच्छा सहयोग मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक हस्ताक्षर किए और गौ माता की जय के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

अभियान के दौरान सैकड़ों लोगों ने गौ संरक्षण और गौ सम्मान के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य गौमाता के संरक्षण, सम्मान और जनजागरण के लिए देशभर से जनसमर्थन जुटाना है। इसके बाद यह मांगपत्र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, भारत के प्रधानमंत्री एवं महामहिम राष्ट्रपति तक पहुंचाया जाएगा जिससे गौ माता को उनका सम्मान उनको मिल सके। अभियान के प्रचार पत्रक के अनुसार गौ संरक्षण को मजबूत करने, गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने तथा देशभर में जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से यह जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। 70 वर्ष की

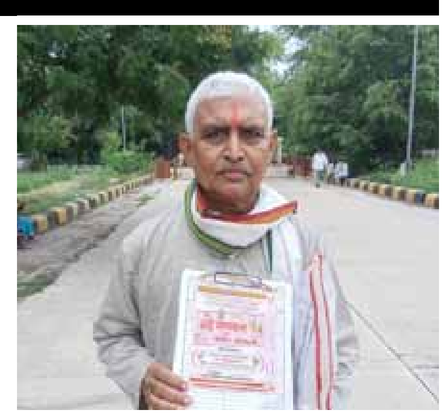

आयु में उमाशंकर त्रिपाठी का यह समर्पण और अथक प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनता जा रहा है। उनका संदेश स्पष्ट है कि सामाजिक सहभागिता और जनजागरण के माध्यम से किसी भी सकारात्मक उद्देश्य को मजबूत बनाया जा सकता है।

कानपुर देहात में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, चार डिप्टी कलेक्टरों की बदली जिम्मेदारियां

» मैथा और अकबरपुर तहसीलों को मिले नए न्यायिक एसडीएम, मुख्यालय की व्यवस्था भी हुई मजबूत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट कपिल सिंह ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शुक्रवार को जारी आदेश के तहत चार डिप्टी कलेक्टरों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार डिप्टी कलेक्टर प्रद्युम्न कुमार को उप जिलाधिकारी (न्यायिक), तहसील मैथा नियुक्त किया गया है। उन्हें न्यायिक मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर नीरज गौतम को उप जिलाधिकारी (न्यायिक), तहसील अकबरपुर बनाया गया है। वे न्यायिक कार्यों के साथ राजस्व एवं कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के प्रभावी संचालन की जिम्मेदारी निभाएंगे। वहीं डिप्टी कलेक्टर नरेंद्र सिंह यादव को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट (मुख्यालय प्रथम) के पद पर तैनात किया गया है। इसके साथ ही उन्हें आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। माना जा रहा है कि इससे कलेक्ट्रेट स्तर पर प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों के संचालन में और अधिक तेजी आएगी।

इसके अलावा डिप्टी कलेक्टर मोहम्मद इरफानउल्ला को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट (मुख्यालय द्वितीय) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्हें मुख्यालय स्तर पर विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों के समन्वय और निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने अपने आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी तत्काल अपनी नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण कर इसकी सूचना उपलब्ध कराएं।

प्रशासनिक हलकों में इस फेरबदल को शासन की प्राथमिकताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने, न्यायिक एवं राजस्व कार्यों में तेजी लाने तथा आमजन से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों की नई तैनाती से तहसीलों के साथ-साथ कलेक्ट्रेट मुख्यालय की कार्यप्रणाली भी अधिक सुदृढ़ और प्रभावी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सिकंदरा को मिली नई एसडीएम, उषा सिंह ने संभाला कार्यभार

2023 बैच की पीसीएस अधिकारी ने ग्रहण किया पदभार, बोलीं-सुशासन पारदर्शिता और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान होगी प्राथमिकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत वर्ष 2023 बैच की पीसीएस अधिकारी उषा सिंह ने शुक्रवार को सिकंदरा तहसील की नई उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बड़े पैमाने पर पीसीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद जिलाधिकारी कपिल सिंह ने जनपद में नई तैनातियां की हैं।हाल ही में मथुरा से कानपुर देहात स्थानांतरित होकर आई उषा सिंह शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे सिकंदरा तहसील पहुंचीं। यहां तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। औपचारिक कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने राजस्व, कानून-व्यवस्था और जनसुनवाई से जुड़े कार्यों की जानकारी भी ली। सिकंदरा के निवर्तमान एसडीएम प्रद्युम्न कुमार का स्थानांतरण कर उन्हें मैथा तहसील में न्यायिक एसडीएम के पद पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले उन्हें जिला मुख्यालय से संबद्ध किया गया था।

पदभार ग्रहण करने के बाद नई एसडीएम उषा सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में लंबित वादों का निस्तारण पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और गुण-दोष के आधार पर समयबद्ध ढंग से कराया जाएगा, ताकि आम नागरिकों को त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि तहसील क्षेत्र में सभी प्रशासनिक कार्य नियमों के अनुसार संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नई एसडीएम ने कहा कि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

पदभार ग्रहण के दौरान तहसील के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे और उन्होंने नई उपजिलाधिकारी का स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने घीमऊ आएंगे मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

» 19 जुलाई को जल अर्पण एवं जल चौपाल में करेंगे सहभागिता, जल संरक्षण कार्यों का करेंगे निरीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

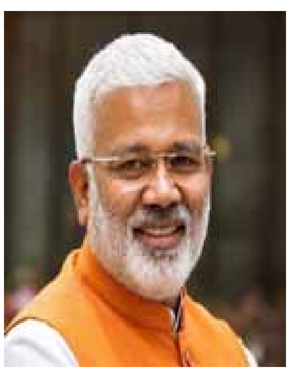

कानपुर । उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह 19 जुलाई 2026 (रविवार) को जनपद भ्रमण के दौरान विकास खंड शिवराजपुर के ग्राम घीमऊ पहुंचेंगे। यहां अपराह्न 345 बजे आयोजित जल अर्पण एवं जल चौपाल कार्यक्रम में वह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से जुड़े कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। साथ ही ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ जल चौपाल में संवाद कर जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संदेश देंगे। इस अवसर पर जल शक्ति विभाग और अन्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं तथा विकास कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा जल संचयन, भूजल संरक्षण और जल संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

सूने घर में चोरी, नकदी और चांदी के जेवर लेकर फरार हुए चोर

» पीछे की दीवार से घर में घुसे बदमाश, पुलिस जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के हलिया गांव में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाते हुए करीब 50 हजार रुपये की नकदी और लगभग एक लाख रुपये मूल्य के चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना से गांव में दहशत का माहौल है।

हलिया गांव निवासी हीरालाल ने बताया कि वह दोपहर करीब 1 बजे घर में ताला लगाकर मवेशी चराने चला गया था। शाम करीब 7 बजे लौटने पर उसने देखा कि कमरे का ताला खुला पड़ा है।

अंदर जाकर देखा तो बक्से के कुंडे टूटे हुए थे और उसमें रखे 50 हजार रुपये नकद तथा करीब एक लाख रुपये के चांदी के आभूषण गायब थे। पीड़ित के अनुसार, कुछ दिन पहले उसने बकरा-बकरी बेचकर मिले रुपये बक्से में रखे थे। आशंका है कि चोर घर के पीछे की दीवार पर सीढ़ी लगाकर छत के रास्ते अंदर दाखिल हुए और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष अमिता वर्मा ने बताया कि चोरी की जानकारी मिली है। मामले की जांच की जा रही है तथा जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

दिनभर उमस के बाद झमाझम बारिश, राजपुर में मौसम हुआ सुहाना

बारिश से लोगों को गर्मी से राहत, मक्का, तिली, लाही व दलहनी फसलों को मिली संजीवनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर क्षेत्र में शुक्रवार को दिनभर उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल रहे। सुबह से तेज धूप और उमस के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। शाम होते-होते मौसम ने करवट ली और आसमान में काले बादल छा गए। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने भीषण गर्मी से राहत दिला दी। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली।दिनभर की उमस के चलते छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग घरों में ही रहने को मजबूर रहे, जबकि बाजारों में भी चहल-पहल कम दिखाई दी। शाम को हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और वातावरण में ठंडक घुल गई। बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई। क्षेत्र में कम वर्षा होने के कारण खेतों में बोई गई लाही, मक्का, तिली तथा अन्य दलहनी फसलें नमी की कमी से प्रभावित हो रही थीं। बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी पहुंची, जिससे फसलों की बढ़वार में मदद मिलेगी। किसान अरशद मंसूरी, दीपक मिश्रा, मनोज, रामू और सुरेंद्र ने बताया कि यह बारिश खेती के लिए बेहद लाभदायक साबित होगी। उनका कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह समय-समय पर बारिश होती रही तो खरीफ फसलों की पैदावार बेहतर होने की उम्मीद है।हालांकि, मौसम में अचानक आए बदलाव को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर तेज गर्मी और शाम को बारिश होने से सर्दी-गर्मी जैसी स्थिति बन जाती है, जिससे वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डॉ. ध्रुव सिंह ने बताया कि बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने लोगों को खुले में रखी खाद्य सामग्री खाने से बचने, पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीने तथा हरी सब्जियों का अधिक सेवन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी को उल्टी, दस्त, बुखार या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो तो बिना डॉक्टर की सलाह के दवा न लें और तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर उपचार कराएं।

बहराइच में 12 साल के बच्चे को मगरमच्छ जिंदा खा गया

पैर जबड़े में दबाकर खींच ले गया, बच्चा तड़पता रहा चाचा चिल्लाते रह गए

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बहराइच। जिले से रोंगटे खड़े करने वाली घटना सामने आई है। यहां मगरमच्छ 12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया। धान की रोपाई करने के बाद बच्चा नदी में हाथ-पैर धोने गया था, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। उसे जबड़े में दबोच लिया। बच्चे ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मारे।

उसके चाचा और ग्रामीणों ने भी ईंट-पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे छोड़ा नहीं। उसने दो-तीन बार बच्चे को उछालकर पानी में पटका, फिर गहरे पानी में खींच ले गया।

देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को निगल लिया। 5 घंटे बाद ग्रामीणों ने बच्चे का शव बरामद किया। घटना गुरुवार शाम की है। लेकिन इसका वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया। थाना प्रभारी टीएन मौर्या ने घटना और वीडियो की पुष्टि की है। वन रेंजर साकिब अंसारी ने बताया- मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया। मामला जिला मुख्यालय से 28 किमी दूर बौंडी थाना क्षेत्र का है।

माता-पिता की मौत हो चुकी, चाचा के साथ रहता था बच्चा

सुनील टिकुरी गांव का रहने वाला था। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। पिता बुधराज की 5 साल पहले, जबकि मां की 7 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। चार भाई-बहनों में सुनील दूसरे नंबर पर था। उससे बड़ी बहन सुमन (14), छोटा भाई संजय (10) और सबसे छोटी बहन सीमा (7) है। तीनों भाई-बहन गांव के प्राथमिक स्कूल में पढ़ते हैं, जबकि सुनील पढ़ाई छोड़ चुका था। माता-पिता के निधन के बाद वह अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ रहता था।

मृतक सुनील की फाइल फोटो

हाथ-मुंह धो रहा था, तभी खींच ले गया

गांव वालों ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने गया था। 3-4 घंटे तक रोपाई करने के बाद देर शाम दोनों खेत से लौटते समय घाघरा नदी में हाथ-पैर धोने लगे।

इसी दौरान अचानक नदी से मगरमच्छ निकला और सुनील पर अटैक कर दिया। यह देखकर उसके चाचा घबरा गए। शोर मचाकर उसे बचाने की कोशिश की। दौड़कर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों को बुलाया। ग्रामीणों ने बच्चे को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे नहीं छोड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंच गए। परिजन भी रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए।

अंधेरा हुआ तो टॉर्च की रोशनी में ग्रामीणों ने तलाशा

ग्रामीणों ने बड़े-बड़े बांस के डंडों की मदद से नदी में तलाशी अभियान शुरू किया। इस वक्त घाघरा नदी का बहाव काफी तेज है, इसलिए घटनास्थल से करीब 500 मीटर तक नदी में खोजबीन की गई। दो घंटे तक लगातार तलाश करने के बाद अंधेरा हो गया, लेकिन ग्रामीणों ने खोजबीन नहीं रोकी। वे टॉर्च की रोशनी में बच्चे की तलाश करते रहे। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद रात 10 बजे घटनास्थल से लगभग 300 मीटर दूर नदी में बच्चे का आधा शव उतराता मिला। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला और इसकी सूचना पुलिस को दी। मगरमच्छ के हमले से शव क्षत-विक्षत हो चुका था। शुक्रवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

7 मिनट तक डटा रहा, बचा नहीं पाया-चाचा

सुनील के चाचा के विजय राज सिंह ने बताया - हम अपने भतीजे को बचाने के लिए नदी में कूद गए। हमने बच्चे का हाथ पकड़ा। करीब सात मिनट तक उसे छुड़ाने प्रयास करता रहा। लेकिन वो उसे गहरे पानी में खींच ले गया। करीब एक घंटे के बाद मेरे बच्चे का शव पानी में उतराया। लेकिन उसका एक पैर व पेट बुरी तरह मगरमच्छ खा गया था।

4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

गांव के प्रधान संजय कुमार त्रिवेदी ने बताया- बच्चे सुनील के चाचा विजय कुमार दोपहर में धान रोपाई का काम रोककर घर खाना खाने आए थे। तभी सुनील जिद करके साथ में चला गया। थोड़ी देर बाद नदी किनारे उस पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। एसडीएम प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी अधिकारियों को दे दी गई है। परिवार को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

नगर पालिका उरई की जांच निर्णायक मोड़ पर

रिकॉर्ड नहीं देने पर 29 जुलाई को होगी बड़ी कार्रवाई

☛ संयुक्त मजिस्ट्रेट ने डीएम को लिखा चार पृष्ठ का पत्र, 30-40 कंप्यूटर ऑपरेटरों की टीम के साथ दस्तावेजों का होगा डिजिटलीकरण, लाइव टेलीकास्ट की भी तैयारी

» वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

उरई (जालौन)। नगर पालिका परिषद उरई में कथित भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक गड़बड़ियों की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। जांच अधिकारी एवं संयुक्त मजिस्ट्रेट (न्यायिक) रिंकू सिंह राही (आईएएस) ने जिलाधिकारी जालौन को चार पृष्ठों का विस्तृत पत्र भेजकर जांच में अपेक्षित सहयोग न मिलने पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कई बार निर्देश और अनुस्मारक भेजने के बावजूद नगर पालिका प्रशासन द्वारा आवश्यक अभिलेख और सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं, जिससे जांच प्रभावित हो रही है।

पत्र के अनुसार यदि 28 जुलाई तक सभी अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए तो 29 जुलाई को दोपहर एक बजे नगर पालिका परिषद उरई में विशेष विधिक कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए लगभग 30 से 40 कंप्यूटर ऑपरेटरों की टीम तैनात की जाएगी, जो मौके पर उपलब्ध सभी अभिलेखों की स्कैनिंग, फोटोग्राफी और डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगी। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने पत्र में कहा है कि जांच को प्रभावित करने या साक्ष्यों को नष्ट होने से बचाने के लिए यह कदम आवश्यक हो गया है। उनका कहना है कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अभिलेख उपलब्ध न कराना प्रथम दृष्टया जांच में सहयोग न करने का संकेत देता है। ऐसी स्थिति में विधिक प्रक्रिया के तहत उपलब्ध अभिलेखों को सुरक्षित करना आवश्यक है।

सभी मूल रिकॉर्ड होंगे जांच के दायरे में

पत्र में नगर पालिका प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित तिथि तक सभी मूल फाइलें, रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर, चेक रजिस्टर, भुगतान संबंधी अभिलेख, डिजिटल डेटा तथा अन्य रिकॉर्ड उपलब्ध कराए जाएं। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों के पास संबंधित अभिलेख हैं, उन्हें स्वयं उपस्थित रहकर रिकॉर्ड उपलब्ध कराना होगा। यह भी कहा गया है कि यदि कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं है या किसी अलमारी अथवा रिकॉर्ड रूम तक तत्काल पहुंच संभव नहीं है तो उसका कारण लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाए। जांच के दौरान किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो तथा अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

रिकॉर्ड की हो सकती है जब्ती

संयुक्त मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान उपलब्ध अभिलेखों का परीक्षण, डिजिटलीकरण तथा आवश्यकता पड़ने पर सीजर (जब्ती) की कार्रवाई भी की जाएगी। जांच टीम द्वारा मौके से जो अभिलेख प्राप्त किए जाएंगे, उन्हीं के आधार पर आगे की विधिक जांच और निष्कर्ष तैयार किए जाएंगे।

पूरी कार्रवाई होगी पारदर्शी, लाइव होगा प्रसारण

पत्र में जांच प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए एनआईसी के सहयोग से पूरी कार्रवाई का लाइव टेलीकास्ट कराने का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही मीडिया को भी मौके पर आमंत्रित करने की बात कही गई है, ताकि पूरी जांच निष्पक्ष और सार्वजनिक निगरानी में संपन्न हो सके। जांच की प्रगति और उपलब्ध कराए गए अभिलेखों की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से भी सार्वजनिक करने का उल्लेख किया गया है।

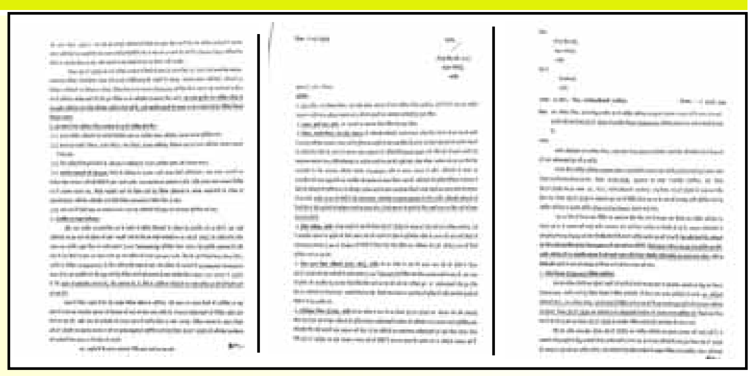

एसपी से मांगा पुलिस बल, पीएसी तैनाती का भी अनुरोध

संयुक्त मजिस्ट्रेट ने पुलिस अधीक्षक जालौन को भेजी गई प्रतिलिपि में 29 जुलाई को नगर पालिका कार्यालय में पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। आवश्यकता पड़ने पर पीएसी की तैनाती का भी सुझाव दिया गया है, ताकि जांच के दौरान कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो और किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने पाए।

उच्च अधिकारियों को भी भेजी गई प्रतिलिपि

इस पत्र की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग, आयुक्त झांसी मंडल, निदेशक स्थानीय निकाय, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एनआईसी) तथा ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित अन्य अधिकारियों को भी भेजी गई है। पत्र में नगर पालिका में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने, अभिलेखों के डिजिटलीकरण और भविष्य में जांच एजेंसियों को रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की पारदर्शी व्यवस्था विकसित करने की भी सिफारिश की गई है।

बढ़ी नगर पालिका की मुश्किलें

संयुक्त मजिस्ट्रेट के इस सख्त रुख के बाद नगर पालिका परिषद उरई की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। यदि निर्धारित समय सीमा तक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए गए, तो 29 जुलाई को प्रस्तावित विशेष जांच कार्रवाई नगर पालिका में अब तक की सबसे बड़ी दस्तावेजी जांच साबित हो सकती है। प्रशासनिक हलकों में इस पत्र को भ्रष्टाचार की जांच को अंतिम मुकाम तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा कांड: टिन्नू यादव की पत्नी की कंपनी पर जांच की आंच

» पत्नी के नाम बनी फर्म सौंदर्य कॉन्ट्रेक्शन को पहले ही साल मिला 45 लाख का सरकारी ठेका, बैंक खातों की पड़ताल में खुली नई कड़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण के मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पुलिस की जांच में अब एक नई कड़ी सामने आई है।

सूत्रों के अनुसार टिन्नू यादव और उसकी पत्नी पूनम देवी के बैंक खातों की जांच के दौरान सौंदर्य कंस्ट्रक्शन नाम की एक कंपनी का पता चला है, जिसे वर्ष 2023 में पूनम देवी के नाम

से पंजीकृत कराया गया था।

जांच में सामने आया है कि यह फर्म लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पंजीकृत है और पंजीकरण के पहले ही वर्ष इसे लगभग 45 लाख रुपये का सरकारी ठेका भी मिला था।

अब पुलिस इस कंपनी की वित्तीय गतिविधियों, बैंक लेन-देन और संभावित मनी ट्रेल की गहन जांच कर रही है।

गौरतलब है कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सरकार द्वारा गठित एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज होने के बाद अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इनमें टिन्नू यादव, अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं। पुलिस अब कथित गबन की पूरी धनराशि और उससे जुड़े नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी है।

चढ़ावा कांड का आरोपी टिन्नू को जेल में 'वीआईपी' सुविधाएं? उठे बड़े सवाल

पड़ोसी का दावा-सोफा, टीवी, मच्छर भगाने की मशीन और मिलने वालों की कतार

अयोध्या रेंज के डीआईजी शैलेन्द्र कुमार मैत्रेय बोले, सीसीटीवी निगरानी में है बैरक

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के मुख्य आरोपियों में शामिल रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को लेकर अब जेल के भीतर मिलने वाली सुविधाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। टिन्नू के एक पड़ोसी ने दावा किया है कि फैजाबाद जिला कारागार में उसे आम बंदियों से अलग विशेष सुविधाएं मिल रही हैं। हालांकि जेल प्रशासन की ओर से इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पड़ोसी बीरेंद्र तिवारी, जो स्वयं टिन्नू से जेल में मुलाकात कर लौटने का दावा करते हैं, कहते हैं कि बैरक में टीवी, सोफा, साफ बिस्तर और मच्छर भगाने की मशीन जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। उनका यह भी दावा है कि टिन्नू से मिलने वालों की लगातार भीड़ लगी रहती है और जेल के भीतर भी उसका प्रभाव कम नहीं हुआ

> अयोध्या रेंज के डीआईजी शैलेन्द्र कुमार मैत्रेय ने कहा कि टिन्नू यादव को जिस विशेष बैरक में रखा गया है, वहां सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जेल अधीक्षक को विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं और केवल पूर्व स्वीकृत व्यक्तियों को ही उससे मिलने की अनुमति दी जाती है।

चढ़ावे की चोरी के बाद 'प्रायश्चित'! आखिर माफी किस बात की?

राम मंदिर में नौ दिवसीय शुद्धिकरण अनुष्ठान ने खड़े किए बड़े सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामलला के दरबार में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला अभी जांच एजेंसियों की फाइलों में सुलग ही रहा है कि अब उसी मंदिर परिसर में नौ दिवसीय प्रायश्चित और शुद्धिकरण अनुष्ठान शुरू करा दिया गया है। सवाल यह है कि यदि सब कुछ सामान्य था तो फिर प्रायश्चित किस बात का? और यदि प्रायश्चित हो रहा है तो क्या यह इस बात का मौन स्वीकार है कि मंदिर की पवित्र व्यवस्था पर कोई गंभीर आंच आई है?

बता दें कि गुप्त नवरात्र के अवसर पर शुरू हुए इस विशेष अनुष्ठान में करीब 70 वैदिक आचार्य गर्भगृह, यज्ञ मंडप और परकोटा स्थित शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार,

हवन, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के माध्यम से भगवान श्रीराम से क्षमा याचना कर रहे हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार किसी अशुभ या अपवित्र घटना के बाद ही ऐसे शुद्धिकरण अनुष्ठान कराए जाते हैं।

यहीं से सबसे बड़ा सवाल जन्म लेता है। यदि चढ़ावा चोरी केवल कुछ कर्मचारियों की करतूत थी, तो पूरे मंदिर परिसर के शुद्धिकरण की आवश्यकता क्यों पड़ी? और यदि परिसर का शुद्धिकरण जरूरी समझा गया, तो क्या यह माना जाए कि घटना ने मंदिर की गरिमा और व्यवस्था को भीतर तक प्रभावित किया? उधर, चढ़ावा चोरी प्रकरण में एसआईटी की जांच अंतिम दौर में है। कई आरोपी जेल में हैं, पुलिस रिमांड हो चुकी है और लगातार नए तथ्य सामने आने का दावा किया जा रहा है। ऐसे समय में शुरू हुआ यह प्रायश्चित अनुष्ठान धार्मिक आस्था के साथ-साथ प्रशासनिक जवाबदेही पर भी बहस छेड़ रहा है।

आस्था का केंद्र बने राम मंदिर में उठे इन सवालों का जवाब अब केवल वैदिक अनुष्ठानों से नहीं, बल्कि जांच की अंतिम रिपोर्ट और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही से ही मिलेगा।

नीट में अयोध्या का परचम हिंदुराज बने शहर के अव्वल

नीट 2026 में आकाश एजुकेशनल बना डॉक्टरों की फैक्ट्री

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 के परिणाम में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (ए ईएसएल) अयोध्या के छात्र हिंदुराज यादव ने 602 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय रैंक 9289 हासिल की और शहर के शीर्ष स्थान पर रहे। संस्थान के अन्य छात्रों में फलक ज़हरा, बभ्रावी श्रीवास्तव, दिवाकर साहू, ऋचा यादव, मिश्कात नूर और अमन प्रजापति ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रदेश स्तर पर भी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड संस्थान के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता दर्ज करते हुए प्रथम, तृतीय, पंचम, षष्ठ, सप्तम और अष्टम स्थान प्राप्त किए। इस वर्ष संस्थान के चार विद्यार्थियों ने देश के शीर्ष दस, अठारह ने शीर्ष पचास तथा इकतालीस विद्यार्थियों ने शीर्ष सौ में स्थान बनाया।

क्षेत्रीय निदेशक डी. के. मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। हिंदुराज ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

जनपदीय शूटिंग प्रतियोगिता में अंशिका और आलीम ने मारी बाजी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निर्देश पर एसएसवी इंटर कॉलेज में आयोजित जनपदीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता की शूटिंग स्पर्धा में कनौसा कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की अंशिका सिंह और एसएसवी इंटर कॉलेज के आलीम जफर खान ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. मणिशंकर तिवारी ने पिस्टल से फायर कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। अंशिका सिंह ने 400 में 321 और आलीम जफर खान ने 400 में 329 अंक अर्जित किए। दोनों खिलाड़ी माह के अंतिम सप्ताह में अमेठी में होने वाली मंडलीय प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जयेंद्र पाठक, भास्कर पांडेय और डॉ. अजय सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन कुमार तिवारी सहित खेल अधिकारियों ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

जिला चिकित्सालय से महिला का मोबाइल, व दस्तावेज चोरी

अयोध्या। जिला चिकित्सालय के बच्चा वार्ड में भर्ती बच्चे की मां का मोबाइल फोन, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के कई घंटे बाद भी मुकदमा दर्ज न होने पर पीड़िता ने आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है।इनायतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम अरमा रूपीपुर तिलकराम का पुरवा (गौहन्ना) निवासी अंकिता मिश्रा, पत्नी जगजीवन प्रसाद मिश्रा, ने कोतवाली नगर पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनका पुत्र आयुष जिला अस्पताल के वार्ड संख्या-12 में भर्ती है। वह 14 जुलाई की रात बेटे के पास अस्पताल में रुकी थीं। उनके अनुसार रात में तकिए के पास रखे पर्स में लगभग 9 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज रखे थे। महिला ने बताया कि 15 जुलाई की सुबह करीब 5~30 बजे जागने पर सामान गायब मिला। काफी तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चला। उन्होंने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी ?

होर्मुज में जहाजों में आग पर ईरान का दावा
माइनफील्ड में घुसने से हुआ विस्फोट

अमेरिका-ईरान तनाव और गहराया, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ा सुरक्षा अलर्ट, दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में दो तेल टैंकरों में आग लगने की घटना को लेकर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बड़ा दावा किया है।इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का कहना है कि दोनों जहाजों पर किसी प्रकार का हमला नहीं किया गया, बल्कि वे बारूदी सुरंग (माइनफील्ड) वाले प्रतिबंधित समुद्री मार्ग से गुजर रहे थे, जिसके कारण विस्फोट हुआ और आग लग गई। हालांकि, इन दावों की अभी तक किसी स्वतंत्र स्रोत या संबंधित जहाजों के देशों ने पुष्टि नहीं की है।

ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार,इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने आरोप लगाया कि अमेरिका के निर्देश पर जहाजों को ऐसे मार्ग से भेजा गया, जिसे पहले ही खतरनाक घोषित किया जा चुका था। संगठन का कहना है कि जहाजों को पहले से चेतावनी दी गई थी कि वे माइनफील्ड वाले रास्ते का उपयोग न करें, लेकिन उन्होंने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। वहीं, अमेरिका ने आरोप लगाया है कि ओमान तट के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान समर्थित बल हमले कर रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, होर्मुज क्षेत्र के कुछ समुद्री मार्गों को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि जब तक क्षेत्र में हालात सामान्य नहीं होते, जहाजों को प्रतिबंधित मार्गों से दूर रहने की सलाह दी गई है। ईरानी पक्ष ने यह भी दावा किया कि यदि जहाज चेतावनी की अनदेखी करेंगे तो गंभीर हादसों का जोखिम बना रहेगा।इसी बीच अमेरिका ने लगातार सातवें दिन भी ईरान से जुड़े सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई जारी रखी। अमेरिकी हमलों में एक निगरानी (सर्विलांस) टावर को निशाना बनाए जाने की खबर है। दूसरी ओर, ईरान पर आरोप है कि वह खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है।बढ़ते तनाव के बीच कुवैत ने अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी है और कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। बहरीन में एहतियातन सायरन बजाए गए हैं, जबकि सऊदी अरब ने भी अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह जारी की है। पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान का समुद्री निगरानी टावर तबाह, जारी किया हमले हुआ फुटेज

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के एक समुद्री निगरानी (सर्विलांस) टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इस सैन्य कार्रवाई का वीडियो भी जारी करते हुए कहा कि यह कदम होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की सैन्य निगरानी क्षमता को कमजोर करने के अभियान का हिस्सा है।

सेंटकॉम के अनुसार, 16 जुलाई को ईरान के चाबहार बंदरगाह स्थित %शहीद कलंतरी पोर्ट% के सर्विलांस टावर को निशाना बनाया गया।अमेरिकी सेना का दावा है कि यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी तट पर फैले समुद्री निगरानी नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों की निगरानी और कथित तौर पर उन पर हमलों के समन्वय के लिए करता था।अमेरिकी सेना का कहना है कि इस कार्रवाई से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की समुद्री गतिविधियों पर निगरानी रखने और जहाजों के खिलाफ अभियान चलाने की क्षमता को बड़ा झटका लगा है। सेंटकॉम ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन से क्षेत्रीय जलक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

सेंटकॉम के बयान में कहा गया है कि यह कार्रवाई निर्दोष नागरिक जहाजों के चालक दल की सुरक्षा को ध्यान में रखकर की गई है। साथ ही यह भी कहा गया कि अमेरिकी नौसैनिक प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले जहाजों को छोड़कर अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना इस अभियान का उद्देश्य है।यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है। ऐसे में इस क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और वैश्विक व्यापार को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हालांकि, इस संबंध में ईरान की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। दोनों देशों के बीच जारी तनाव के चलते खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है।

चीन में भूस्खलन का कहर, 8 की मौत, 34 लोग अब भी लापता

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। चीन के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र स्थित चोंगकिंग नगर पालिका में शुक्रवार सुबह हुए भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9-10 बजे पहाड़ी का बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे विशाल चट्टानें और मलबा नीचे स्थित रिहायशी एवं व्यावसायिक क्षेत्र पर आ गिरा। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। कई मकान पूरी तरह मलबे में दब गए और आसपास की सड़कें भी अवरुद्ध हो गईं।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन ने बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार अब तक 18 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया, जिनमें से आठ ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।मौके पर 800 से अधिक बचावकर्मी, दमकलकर्मी और आपदा विशेषज्ञ तैनात किए गए हैं। आधुनिक खोजी उपकरणों, खुदाई मशीनों और विशेष तकनीकों की मदद से मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र अत्यधिक अस्थिर होने के कारण चट्टानों के दोबारा खिसकने का खतरा बना हुआ है, जिससे राहत कार्य बेहद सावधानी के साथ किया जा रहा है।संभावित खतरे को देखते हुए आसपास के 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रभावित इलाके में एहतियातन बिजली, पानी और गैस की आपूर्ति भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है।

चोंगकिंग में पहाड़ी ढहने से कई मकान मलबे में दबे, 800 से ज्यादा बचावकर्मी राहत अभियान में जुटे

हादसे के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से लापता लोगों की शीघ्र तलाश, घायलों के समुचित उपचार और भूस्खलन के कारणों की विस्तृत जांच कराने को कहा है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए भू-वैज्ञानिक जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। चीन के वित्त मंत्रालय और आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने प्रभावित लोगों की सहायता और राहत कार्यों के लिए 5 करोड़ युआन की विशेष सहायता राशि जारी की है।विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के दिनों में हुई लगातार भारी बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों की मिट्टी कमजोर हो गई है, जिससे भूस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है। इससे पहले इसी महीने गांसू प्रांत में भी एक बड़े भूस्खलन में 21 लोगों की मौत हुई थी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने चीन के पर्वतीय इलाकों में आपदा प्रबंधन और भू-सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com